STD. VIII HINDI LIT(मैं जानता हूँ)

शब्दार्थ:--

डोंगी--नाव

प्रलय---नाश,भयंकर बर्बादी

दिगन्त--सब दिशाएँ

सुधियों--होश, स्मरण

दीपशिखा--दीपक की लौ

उत्ताल वक्ष --ऊँची-ऊँची लहरें

प्रश्न उत्तर:---

प्रश्न 1. "पीले पाल "किसका संकेत हैं?

उत्तर:-- "पीले पाल" कवि के युवा मन का संकेत है, क्योंकि कवि का शरीर ज़रूर बूढ़ा हो गया है पर उनका मन अभी भी युवा है।

प्रश्न 2.कभी के हृदय को क्या उमंॅगे युवा बनाती हैं?

उत्तर:-- कवि के हृदय को आशा, प्रतीक्षा और उल्लास युवा बनाती हैं, क्योंकि कवि आशावादी हैं, और उनकी सोच सकारात्मक है। आयु के बोझ के बावजूद उनका हृदय उमंगों से भरा हुआ है।

प्रश्न 3. सुधियों की उज्ज्वल दीपशिखा का भावार्थ समझाएँ।

उत्तर:-- कवि का कहना है कि उनके हृदय के आकाश में उनकी स्मृतियाँ, उसके यादगार पल सदा दीपशिखा की भांति जगमगाएँगेऔर उनका हृदय सदा आशा की ज्योत से प्रज्जवलित रहेगा।

प्रश्न 4 कवि की यात्रा का वर्णन करें ।

उत्तर :--कवि अपनी यात्रा को "कवि की यात्रा" कहता है ,क्योंकि कवि का शरीर भले ही बूढ़ा हो जाता है पर उनका मन, उनका हृदय कभी बूढ़ा नहीं होता। कवि के मन में तरह-तरह की कल्पनाएँ जन्म लेती हैं, वे स्वप्न भी देखते हैं तथा संकल्प भी करते हैं ।कवि अपने जीवन में उन कल्पनाओं, स्वप्नों और संकल्पों को अपनी कविता द्वारा पूरा करते हैं।लेकिन ये कल्पनाएँ,स्वप्न व संकल्प कभी ख़त्म नहीं होते ,क्योंकि कुछ इच्छाएँ ऐसी होती हैं ,जो जीवन भर साथ-साथ चलती हैं ।

प्रश्न .5 .कवि अमर और अजेय कैसे है ?

उत्तर :- रवीन्द्र नाथ त्यागी को एक व्यंग्यकार के रूप में जाना जाता है पर वे कविता भी लिखते हैं और वे एक कवि के रूप में भी प्रसिद्ध होना चाहते हैं। वे कहते हैं कि वह हार कभी नहीं मानेंगे और तब तक कविता लिखते रहेंगे ,जब तक लोग उन्हें एक कवि के रूप में स्वीकार न कर लें। वे निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उन्हें विश्वास है कि उनकी कविता एक दिन ज़रूर प्रसिद्ध होंगी और वह पूर्णिमा में ही नहीं बल्कि अमवस्या की काली रात में भी चमकेगी। इस प्रकार वे स्वयं को अमर , अजेय व कालजयी सिद्ध करते हैं।